B.A - III (H)
Paper - VI

classmate
Date 22.7.2020
Page
Dr. B.K.

संगठनात्मक व्यवहार का अर्थ (OB)

संगठनात्मक व्यवहार एक ऐसा अध्ययन क्षेत्र है जिसका स्वरूप विभिन्नदर्शनग्राही है तथा जिसमें मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र से तथ्यों का समन्वय करके संगठनों के भीतर व्यक्तियों के व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है। संगठनात्मक व्यवहार के इसी स्वरूप को ध्यान में रखते हुए स्जीलागी एवं वालास ने कहा है- "संगठनात्मक व्यवहार, अपने विस्तृत आधार, नवीन उत्पत्ति एवं अंतरशास्त्रीय उन्मुखता के कारण एक विज्ञान के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है। संगठनात्मक मनोविज्ञान को निम्नलिखित मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने शब्दों में परिभाषित किया है -

डेविस एवं न्यूस्टॉर्म - "संगठनात्मक व्यवहार, किसी संगठन के भीतर लोग कैसे कार्य करते हैं के बारे में अध्ययन एवं ज्ञान का उपयोग करता है। यह मानव-कल्याण के लिए मानवीय उपकरण है। इसमें सभी तरह के संगठन के व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।"

ग्रे एवं स्टार्क के अनुसार - "किसी संगठन में लोग वैसा व्यवहार क्यों करते हैं, का अध्ययन ही संगठनात्मक व्यवहार है।"

न्यूधान्स के अनुसार - "संगठनात्मक व्यवहार संगठनों में मानव व्यवहार को समझने, पूर्वानुमान लगाने तथा उसका प्रबंध करने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

उपरोक्त परिभाषा से स्पष्ट है कि संगठनात्मक व्यवहार एक ऐसा अध्ययन क्षेत्र है जिसमें सभी तरह के संगठनों के लोगों के व्यवहारों, भावों एवं मनोवृत्तियों आदि का अध्ययन किया जाता है।

संगठनात्मक व्यवहार की विशेषताएँ
(Characteristics of Organisational Behaviour OR OB)

(1) संगठनात्मक व्यवहार एक शास्त्र नहीं बल्कि अध्ययन का एक क्षेत्र है।

(2) संगठनात्मक व्यवहार अंतरशास्त्रीय क्षेत्र है.

(3) संगठनात्मक व्यवहार एक प्रयुक्त क्षेत्र है.

(4) संगठनात्मक व्यवहार का दृष्टिकोण मानवतावादी एवं आशावादी है।

(5) संगठनात्मक व्यवहार की नींव वैज्ञानिक विधि होती है।

(6) संगठनात्मक व्यवहार का एक अपूर्व विश्लेषण स्तर होता है।

माध्य, माध्यिका तथा बहुलक का उपयोग

माध्य का उपयोग -

(i) साधारणत: जब वितरण प्रसामान्य होता है तो माध्य को निकालना चाहिये। अन्य रूप में, जब वितरण वैषम्य (Skewed) नहीं है, तब माध्य का परिकलन अधिक यथार्थ होता है।

(ii) जब दूसरे सांख्यिकी जैसे मानक विचलन सहसंबंध गुणांक का परिकलन करना हो तो, माध्य का परिकलन उचित होता है

(iii) जब वितरण मे सर्वाधिक विश्वसनीय तथा स्थायी केंद्रीय प्रवृति ज्ञात करनी हो, तब माध्य का परिकलन आवश्यक होता है।

माध्यिका का उपयोग -

(i) जब वितरण का ठीक मध्यबिन्दु (यानी 50%) ज्ञात करना हो, तब माध्यिका ज्ञात करना चाहिये।

(ii) जब वितरण इस तरह का हो कि इसके ऊपर के वर्गान्तर की ऊपरी सीमा या नीचे से वर्गान्तर की निचली सीमा मालूम नहीं की जा सकती है, तो माध्यिका का परिकलन करना चाहिये।

(iii) जब हम केन्द्रीय प्रवृति की एक ऐसी माप करना चाहे जो स्थिर हो, तो माध्यिका निकाले।

(iv) जब वितरण वैषम्य हो तो माध्यिका का उपयोग करना चाहिये।

(v) जब हम यह जानना चाहते है कि कोई भी प्राप्तांक वितरण के मध्यबिंदु के ऊपर है या नीचे है, तब माध्यिका का परिकलन आवश्यक हो जाता है।

बहुलक का उपयोग -

(i) जब केन्द्रिय प्रवृति का एक स्थूल अंदाज (एक) लगाना हो तो बहुलक निकालना चाहिये।

(ii) जब केंद्रीय प्रवृति के लिए हमारे पास बहुत कम समय हो तो बहुलक निकला जाता है।

classmate
Date 22-7-20
Page

B.A - III (H)
paper - VII - Dr. R. ks.

Objective questions answers.

1. यादृच्छिकृत ब्लॉक डिजाइन के सबसे उपयुक्त सांख्यकीय परीक्षण कौन - सा है।

Ans: एनोवा (ANOVA)

2. किस विधि में एक ही साथ विभिन्न उम्र के प्रयोज्य को एक साथ लेकर अध्ययन कर किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है -

Ans: क्रॉसवर्गीय विधि (cross - sectional method)

3. व्यक्तियों के व्यवहारो में क्रमिक परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए ~~सबसे~~ सबसे उपयुक्त विधि है -

Ans: अनुदैर्ध्य विधि (longitudinal method)

4. गुडे तथा हाट ने असहभागी प्रेक्षण को अर्ध-असहभागी प्रेक्षण कहा है क्योंकि -

Ans:- इसमें प्रेक्षक को किसी न किसी ढंग से व्यक्तियों के साथ कार्य में कुछ न कुछ हिस्सा अवश्य बँटाना पड़ता है।

(5) बेल्स द्वारा प्रतिपादित वर्ग व्यवस्था में प्रेक्षण के लिए कितनी श्रेणियाँ बनायी गयी हैं?

Ans:- बारह

(6) फ्लैण्डर्स द्वारा प्रतिपादित अंतःक्रिया प्रक्रिया विश्लेषण में कितनी श्रेणियाँ हैं?

Ans: दस

(7) फ्लैण्डर्स द्वारा प्रतिपादित अंतक्रिया प्रक्रिया विश्लेषण में ~~कितनी श्रेणियाँ हैं~~ किस तरह के अंतःक्रिया का विश्लेषण होता है?

Ans:- शिक्षक- छात्र अन्तःक्रिया

(8) फ्लैण्डर्स प्रविधि में अंतःक्रियाओं में Confusion हो जाने पर किस श्रेणी का उल्लेख किया जाता है -

Ans: - 10

(9) प्रश्नावली तथा अनुसूची में मुख्य अंतर है -

Ans: प्रश्नावली के प्रश्नों को प्रत्याशी स्वयं पढ़ कर उत्तर देता है जबकि अनुसूची में अध्ययनकर्ता स्वयं प्रश्नों को पढ़ता है जिसे सुनकर प्रत्याशी उत्तर देता है।